ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, गुरूवार 28 मई 2026

वर्ष 3 अंक 49

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में मंचासीन हो रहा भाजपा नेता अनिल जारोली गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में भाजपा से जुड़े नेता और ओसवाल महासभा युवा अध्यक्ष अनिल जारोली को आखिरकार पुलिस ने गुरुवार को पॉलिटिकल रस्साकशी के बीच गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ही ली। महिला नेता और पूर्व पार्षद के घर में घुसकर दुष्कर्म के प्रयास, मारपीट और अभद्रता जैसे गंभीर आरोपों में दर्ज मामलों में लंबे समय से गिरफ्तारी टाल रहे जारोली पर हाईकोर्ट से मिली राहत 12 मई को खत्म हो गई थी। इसके बावजूद वह खुलेआम राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल हो रहा था, सोशल मीडिया पर सक्रिय था और स्थानीय नेताओं के साथ तस्वीरें व स्टेटस वायरल कर रहा था। जबकि पुलिस कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। मामले में सबसे बड़ा सवाल यही उठ कि हाईकोर्ट द्वारा गिरफ्तारी पर रोक हटाने के बाद भी आरोपी कई दिनों तक पुलिस की पकड़ से बाहर कैसे रहा। क्या बिना राजनीतिक रसूख के यह संभव है, क्या यह सुविधा हर आमजन को मुहैया है???

ऐसे हुई गिरफ्तारी

सूत्रों के मुताबिक इस संबंध में पुलिस अधीक्षक और आईजी को बाकायदा प्रतिवेदन देकर गिरफ्तारी की मांग की गई थी व कहा गया था कि रसूखदार हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी खुला घूम रहा है। इसके बाद घंटाघर थाने से जांच हटाकर महिला अनुसंधान सेल के पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित को सौंपी गई। बताया जा रहा है कि बुधवार को ही फाइल उनके पास पहुंची और गुरुवार को आरोपी की गिरफ्तारी हो गई। याने, राजनीतिक रसूख के प्रयास इस बार काम नहीं आए। जानकारी के अनुसार अनिल जारोली के खिलाफ वर्ष 2025 में घंटाघर थाने में दो एफआईआर दर्ज हुई थीं। पहली एफआईआर में भाजपा की महिला नेता और निवर्तमान पार्षद ने आरोप लगाया था कि जारोली उनके घर में घुसा, हमला किया, अभद्र व्यवहार किया और दुष्कर्म का प्रयास किया। वहीं अगले दिन पीड़िता के परिवार पर घर में घुसकर हमला करने के आरोप भी सामने आए थे।

मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए जारोली ने राजस्थान हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक ले ली थी। अपनी याचिका में उसने विवाद को पैसों के लेन-देन और कारोबारी विवाद से जुड़ा बताते हुए खुद को निर्दोष बताया था। हालांकि पीड़िता पक्ष ने अदालत में पूरे तथ्य और साक्ष्य पेश किए। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने माना कि मामले में विस्तृत जांच जरूरी है और 12 मई को गिरफ्तारी पर लगी रोक हटा दी।

इधर, अनिल जारोली ने पीड़िता के पति के खिलाफ भी पैसों की हेराफेरी का मामला दर्ज करवाया था, लेकिन जांच में वह मामला झूठा पाया गया और पुलिस ने उसमें एफआर लगा दी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जारोली का प्रभाव इतना था कि हाईकोर्ट की राहत खत्म होने के बाद भी वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में नेताओं के साथ दिखाई देता रहा। उसे बड़ी सादड़ी के एक प्रभावशाली भाजपा नेता का करीबी माना जाता है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। गौरतलब है कि अनिल जारोली भाजपा उदयपुर ग्रामीण संगठन में पदाधिकारी रहने के साथ ओसवाल महासभा के युवा अध्यक्ष पद से भी जुड़ा हुआ है। मामले की जांच अब पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित कर रहे हैं।

दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला से सोने का मादलिया लूटने वाली गैंग पकड़ी, उदयपुर में मोबाइल स्नैचिंग का भी खुलासा



24 न्यूज अपडेट

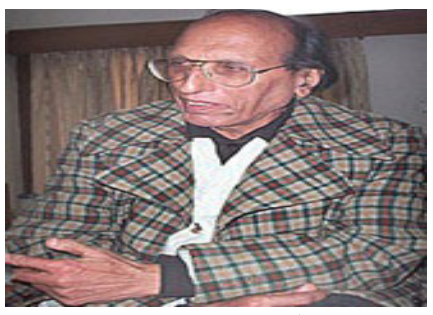
उदयपुर। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े वृद्ध महिला से सोने का मादलिया लूटने वाली गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने गैंग के मुख्य सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया सोने का मादलिया और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच में सामने आया है कि आरोपी शहर में मोबाइल झपटमारी की कई वारदातों में भी शामिल रहे हैं। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा और नगर पश्चिम वृत्ताधिकारी राजेश यादव के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित टीमों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार 26 मई 2026 को भुवाणा निवासी अर्जुनलाल डांगी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसकी दादी डाली डांगी घर के बाहर चौक में अकेली बैठी थीं। इसी दौरान शाम करीब 4:30 बजे बाइक पर आए दो युवक उन्हें धमकाकर गले में पहना करीब 4 से 5 ग्राम वजनी सोने का मादलिया झपटकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और तकनीकी व ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर कई जगह दबिश दी। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि लूटा गया सोने का मादलिया उन्होंने कंनक ज्वैलर्स के संचालक मनोहर सिंह को बेच दिया था। इसके बाद पुलिस ने मनोहर सिंह को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मादलिया बरामद कर लिया। वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने उदयपुर शहर के विभिन्न इलाकों में मोबाइल झपटमारी की अन्य वारदातें करना भी स्वीकार किया है। पुलिस अब उनसे अन्य मामलों को लेकर भी गहन पूछताछ कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में भुवाणा निवासी सुरेश, देव मगरी निवासी रवि और नीरज के साथ बड़गांव क्षेत्र निवासी ज्वेलर्स संचालक मनोहर सिंह शामिल हैं। कार्रवाई में थानाधिकारी भरत योगी, उप निरीक्षक देवीलाल, सहायक उप निरीक्षक नारायण सिंह, कांस्टेबल शिम्भुराम, अचलाराम और राजकुमार की अहम भूमिका रही।

"उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो..." उर्दू ग़ज़ल का वो चराग़ बुझ गया, जिसकी रोशनी में मोहब्बत बोलती थी



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। बशीर बद्र अब इस दुनिया में नहीं रहे। उर्दू ग़ज़ल को नई ज़ुबान, नया लहजा और आम आदमी की धड़कनों से जोड़ने वाले मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र ने गुरुवार दोपहर 12:15 बजे भोपाल में आखिरी सांस ली। 91 साल की उम्र में उनका जाना सिर्फ एक शायर की मौत नहीं, बल्कि उर्दू अदब के उस दौर का ख़ामोश हो जाना है, जहां अल्फाज़ सीधे दिल पर दस्तक देते थे। गुरुवार शाम 7:30 बजे भोपाल टॉकीज के पास स्थित कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। करीब 14 वर्षों से डिमेंशिया से जूझ रहे बशीर बद्र धीरे-धीरे यादों की दुनिया में खोते चले गए थे। याददाश्त उनका साथ छोड़ रही थी, मगर उनके शेर लोगों की ज़ुबानों से कभी नहीं उतरे। घर में जब उनकी पत्नी डॉ. राहत बद्र उनके मशहूर अशआर गुनगुनातीं, तो उनके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान लौट आती थी। कभी-कभी वे खुद भी मिसरा पूरा कर देते थे। मुशायरों की याद आते ही उनके होंठों पर "इरशाद... इरशाद..." तैरने लगता था। एक दौर था जब देश के बड़े मुशायरों की जान बशीर बद्र हुआ करते थे। उनकी मौजूदगी ही महफिल की कामयाबी मानी जाती थी। उन्होंने 500 से ज्यादा मुशायरों में शिरकत की और भारत ही नहीं, अमेरिका, पाकिस्तान और ब्रिटेन तक अपनी शायरी का जादू बिखेरा। उनकी शायरी में मोहब्बत की नरमी थी, जुदाई का दर्द था, शहरों की तन्हाई थी और हिंदुस्तान की मिट्टी की खुशबू भी। यही वजह रही कि उनके शेर किताबों से निकलकर आम लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गए।

"कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी, यूँ कोई बेवफ़ा नहीं होता..."

यह सिर्फ एक शेर नहीं, टूटे हुए रिश्तों की सबसे मुलायम तस्लीम बन गया। वहीं उनका यह शेर आज भी लोगों की रूह को छू जाता है—

"मेरी हँसी से उदासी के फूल खिलते हैं,
मैं सबके साथ हूँ लेकिन जुदा सा लगता हूँ..."

15 फरवरी 1935 को कानपुर में जन्मे बशीर बद्र ने कम उम्र में शायरी शुरू कर दी थी, लेकिन उन्हें असली पहचान उस शेर ने दिलाई, जो बाद में हर महफिल की रूह बन गया—

"उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए..."

कहा जाता है कि 1960 के दशक में मशहूर अदाकारा मीना कुमारी ने यह शेर अपने हाथों से लिखकर एक मैगज़ीन को भेजा था। इसके बाद बशीर बद्र का नाम देशभर में गूंजने लगा। उनकी शायरी की सबसे बड़ी ताकत यही रही कि उन्होंने उर्दू ग़ज़ल को महज़ अदबी दायरों तक सीमित नहीं रहने दिया। उन्होंने उसे सड़क, चौराहे, मोहब्बत, अकेलेपन और रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ दिया। उनके अल्फाज़ पढ़े नहीं जाते थे, महसूस किए जाते थे।

सड़क पर तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, बाघपुरा पुलिस ने हथियार किया जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बाघपुरा थाना क्षेत्र में राहगीरों को तलवार दिखाकर डराने-धमकाने और इलाके में दहशत फैलाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से अवैध तलवार भी बरामद की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अवैध हथियारों और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल और झाड़ोल वृत्ताधिकारी विवेकसिंह के सुपरविजन में बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम ने टीम के साथ आरोपी को दबोचा। पुलिस के अनुसार आरोपी सुरेश पुत्र नरसिंह उम्र 20 वर्ष निवासी उपली गोरण, थाना बाघपुरा सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर राहगीरों को भयभीत कर रहा था। उसकी हरकतों से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था और आमजन में भय व्याप्त हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तलवार बरामद कर ली। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। कार्रवाई में उप निरीक्षक योगेश नागदा, हेड कांस्टेबल कमलकिशोर, कांस्टेबल सुनील कुमार और सुरेश कुमार की अहम भूमिका रही।

मजदूर को रास्ते में रोककर लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार, वारदात में इस्तेमाल बाइक भी जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बाघपुरा थाना क्षेत्र में राहगीरों को निशाना बनाकर लूट की वारदात करने वाले एक शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। मामले में तीन अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जानकारी के अनुसार 25 जनवरी 2026 को बाल्वी निवासी किशनलाल पुत्र नानालाल ने बाघपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि वह गुजरात के मोडासा में मजदूरी कर देर रात मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था। रात करीब 10 बजे जब वह खाटीकमदी गांव के नाडा क्षेत्र में पहुंचा, तभी पीछे से मोटरसाइकिल पर आए तीन बदमाशों ने उसे रोक लिया। मारपीट की और फिर मोबाइल फोन, 12 हजार रुपए नकद और जरूरी दस्तावेज लूटकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल और झाड़ोल वृत्ताधिकारी विवेकसिंह के सुपरविजन में बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम की टीम ने आरोपी अजय उर्फ अजित पुत्र शंकरलाल निवासी खाटीकमदी को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। उप निरीक्षक योगेश नागदा, हेड कांस्टेबल गोपाल, कांस्टेबल सचिन, संजय, जीवतराम और सुरेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन, सिद्धारमैया ने दिया इस्तीफा; अब डीके शिवकुमार के हाथ में कमान तय



24 न्यूज अपडेट

कर्नाटक। सिद्धारमैया ने गुरुवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। बेंगलुरु में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने साफ कहा कि उन्होंने पहले ही कांग्रेस हाईकमान से कह दिया था कि जब भी पार्टी नेतृत्व निर्देश देगा, वे पद छोड़ देंगे। सिद्धारमैया ने कहा, "कल हाईकमान ने कहा और आज मैंने इस्तीफा दे दिया।" उन्होंने बताया कि अपना इस्तीफा राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सचिव को सौंप दिया गया है। राज्यपाल फिलहाल पारिवारिक कारणों से बेंगलुरु से बाहर हैं। इस्तीफे के बाद अब डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में औपचारिक घोषणा हो सकती है। सत्ता परिवर्तन के पीछे लंबे समय से चर्चा में रहा 'रोटेशनल सीएम फॉर्मूला' माना जा रहा है। इस्तीफे से पहले सिद्धारमैया ने अपने आवास पर मंत्रियों के साथ अहम बैठक की और फैसले की जानकारी दी। इस दौरान एक भावुक राजनीतिक तस्वीर भी सामने आई, जब डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए और दोनों नेताओं ने गले मिलकर एकजुटता का संदेश दिया। इस्तीफे के बाद सिद्धारमैया दिल्ली रवाना हो गए, जहां वे कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें राज्यसभा जाने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। सिद्धारमैया ने कहा कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति में कोई रुचि नहीं है और वे सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे। दरअसल, कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस ने AHINDA फॉर्मूले के सहारे बड़ी जीत हासिल की थी। AHINDA यानी अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित वोट बैंक का गठजोड़। ओबीसी वर्ग की कुरुबा जाति से आने वाले सिद्धारमैया को पिछड़े वर्ग का मजबूत समर्थन मिला था, जबकि डीके शिवकुमार ने संगठन और लिंगायत-वोक्कालिगा समुदाय में प्रभाव का दावा किया था। मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों नेताओं के बीच खींचतान इतनी बढ़ गई थी कि कांग्रेस आलाकमान को फैसला लेने में सात दिन लग गए थे। आखिरकार 20 मई 2023 को सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उसी दौरान 'ढाई-ढाई साल' के सत्ता फार्मूले की चर्चा भी तेज हुई, हालांकि कांग्रेस ने कभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की। नवंबर 2025 में जब सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे हुए, तब एक बार फिर डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी थी। दिल्ली में कई दौर की बैठकों के बाद मामला शांत हुआ और 21 नवंबर 2025 को खुद शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि सिद्धारमैया पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। लेकिन अब अचानक हुए इस घटनाक्रम ने कर्नाटक की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है।

बांसवाड़ा में भीषण सड़क हादसा, भाजपा नेता के बेटे-भतीजे को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा में गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार क्रेटा कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में भाजपा के पूर्व एसटी मोर्चा महामंत्री धर्मेंद्र राठौड़ का बेटा और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि एक युवक का पैर भी फ्रैक्चर हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया है। हादसा बांसवाड़ा-परतापुर मार्ग पर बजवाना गांव के पास गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र राठौड़ का बेटा मीर राठौड़ और भतीजा नरेश राठौड़ बाइक से अपने गांव भीमसौर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज गति में आ रही क्रेटा कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को संभाला और एंबुलेंस की मदद से महात्मा गांधी जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार दुर्घटना में दोनों युवकों के सिर फट गए, जबकि मीर राठौड़ के पैर में फ्रैक्चर आया है। वहीं नरेश राठौड़ की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए उदयपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजनों, भाजपा नेताओं और समर्थकों की भारी भीड़ जमा हो गई। देर तक अस्पताल में गहमागहमी का माहौल बना रहा। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद कार चालक के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

संपादकीय : शुचिता की खातिर

लोकतंत्र में किसी भी चुनाव की शुचिता इस बात पर निर्भर करती है कि जनप्रतिनिधि के चयन की प्रक्रिया कितनी संवैधानिक, निष्पक्ष और पारदर्शी है। यह तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब मतदाता चुनाव में मतदान की वास्तविक पात्रता रखते हों और तमाम चुनावी कार्य स्वतंत्र तरीके से संपन्न कराए जाएं। इसकी जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर होती है और वह समय-समय पर मतदाता सूची में संशोधन करता रहता है, ताकि जो व्यक्ति मतदान के लिए पात्र नहीं है या जिनका निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटा दिए जाएं। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर भी इसी प्रकिया का हिस्सा है, मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कुछ राज्यों में पिछले दिनों इसे लेकर कई तरह के विवाद खड़े हो गए। यहां तक कि इसके औचित्य पर भी सवाल उठाए गए। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि निर्वाचन आयोग को एसआइआर कराने का पूरा अधिकार है और यह प्रक्रिया निष्पक्ष चुनावों के संवैधानिक दायित्व में जान फूंकती है। स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से चुनाव की अनिवार्यता को आगे बढ़ाने में यह महत्त्वपूर्ण कड़ी है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व राज्य में शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सबसे पहले सवाल उठे थे। विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया के समय को लेकर प्रश्न उठाया था। उनका कहना था कि चुनाव से ठीक पहले ही यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई, जबकि निर्वाचन आयोग इसे एक साल पूर्व भी करवा सकता था । इसके बाद आधार कार्ड को नागरिकता का प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं करने को लेकर भी विवाद हुआ, जो सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और अंततः निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने पड़े। इसके बाद सवालों का वह सिलसिला उत्तर प्रदेश से होते हुए पश्चिम बंगाल तक पहुंचा और शीर्ष अदालत को फिर इसमें दखल देना पड़ा। बिहार में एसआईआर को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनका निपटारा करते हुए न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) की धारा 21 (3) के तहत विशेष पुनरीक्षण करने का अधिकार प्राप्त है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना इस बात की कानूनी घोषणा नहीं है कि कोई व्यक्ति इस देश का नागरिक नहीं है। इससे उन लोगों को निश्चित तौर पर राहत मिली है, जिनके नाम तकनीकी कारणों से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं और अब उन्हें इस बात की चिंता सताने लगी है कि कहीं आगे चलकर उनकी नागरिकता खतरे में न पड़ जाए। यह बात सच है कि चुनावों की शुचिता को बरकरार रखने के लिए मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है, लेकिन कोई पात्र व्यक्ति तकनीकी कारणों से मताधिकार से वंचित न हो, इसकी जिम्मेदारी भी निर्वाचन आयोग की ही है। पिछले दिनों बिहार उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में जिस तरह से लाखों लोग मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद मतदान नहीं कर पाए, वह वास्तव में चिंताजनक है। हालांकि, मताधिकार से वंचित होने की स्थिति रोकने के लिए शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि नागरिकता के आधार पर हटाए गए सभी नामों के मामलों को चार सप्ताह के भीतर सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा जाए और उन्हें अगले विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले अपना निर्णय देना होगा ।

नशे का जाल

देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता काला कारोबार एक गंभीर समस्या बन गया है । शहरों से लेकर गांवों तक इसका जाल तेजी से फैल रहा है। विदेश से भी बड़े पैमाने पर जमीन और समुद्र के रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल ही में तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने संयुक्त अभियान में मुद्रा तट पर एक जहाज से करीब 1,150 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किया है। सवाल है कि गुजरात नशीले पदार्थ का पारगमन केंद्र क्यों बनता जा रहा है ? राज्य में पिछले कुछ वर्षों से सुरक्षा बल इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। इसके बावजूद अगर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही है, तो इसकी क्या वजह हो सकती है। सुरक्षा एजंसियां आखिर उन लोगों तक क्यों नहीं पहुंच पाती हैं, जो इतने बड़े पैमाने पर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं और उसे देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाते हैं। गौरतलब है कि गुजरात के मुद्रा तट पर यह पहली बार नहीं है, जब समुद्र के रास्ते लाई गई नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। वर्ष 2021 में तो इक्कीस हजार करोड़ रुपए के तीन हजार किलो नशीले पदार्थ यहां जब्त किए गए थे। उस समय यह सबसे बड़ी बरामदगी बताई गई थी। उसके बाद ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप मंगाता कौन है ? इसकी व्यापक रूप से जांच किए जाने की जरूरत है, ताकि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके। गुजरात के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसकी लंबी तटरेखा है और बड़ी संख्या में पंजीकृत छोटे जहाजों और नावों की निगरानी करने के लिए माकूल व्यवस्था का होना बेहद जरूरी है ।

व्यापार और सुरक्षा के लिहाज से यह तटरेखा संवेदनशील है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि उन संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसा जाए, जो विदेश से तस्करी के जरिए देश में नशे का जाल फैला रहे हैं ।

यूडी टेक्स पर गजब का खेल, रसूखदारों के आगे निगम के अफसर नतमस्तक, बिना एप्रोच वाले बकायदारों की खुलेआम कर रहे'मानहानि'



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम के लिए कहा जाता है कि यहां पर रसूखदारों की ही चलती है और कुछ अफसरों से लेकर कर्मचारियों तक की लॉबी केवल और केवल खास लोगों के लिए ही काम करती है, यह बात अब धीरे धीरे सच साबित होती जा रही है। यह भी सामने आ रहा है कि कई मामलों में तो पूरा सिस्टम ही बड़े व रसूखदारों को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है जबकि आम आदमी या बिना एप्रोच वालों की बात आते ही लोगों की खुलेआम मानहानि करने से बाज नहीं आ रहा है। याने कुछ अफसर और कर्मचारी सरेआम लोगों को बदनाम करने पर तुले हुए हैं। जबकि नियमानुसार ऐसा करना उन्हीं के अनुसार कानूनन सही नहीं है। ऐसे में अफसरों व कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी जरूरी हो गई है। क्योंकि अगर यह सब चलता रहा तो ये अफसर आगे जाकर और बड़े गुल खिलाने और पूरे के पूरे सिस्टम को हैक करने से बाज नहीं आने वाले हैं। अभी ये जनता को आंख दिखा रहे हैं, बाद में ना जाने नेताओं के संरक्षण से इनके हौसले और कितने बुलंद हो जाएंगे। हम बात कर रहे हैं। नगर निगम उदयपुर के नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) को लेकर यूडीए के अफसरों के रवैये की। पूरा का पूरा तंत्र नेक्सस की तरह से काम कर रहा है और गंभीर सवालों के घेरे में आ गया है। निगम की ओर से यूडी टैक्स के नाम पर हर साल सरकारी स्तर पर वसूली का पूरा काम निजी एजेंसी के भरोसे चल रहा है। याने साधारण शब्दों में कहें तो हमारे टेक्स के पैसों से तनख्वाह लेने वाले आयुक्त से लेकर साधारण कर्मचारी तक की शृंखला के कर्मचारी निरंकुश होकर हमें याने कि जनता को ही आंख दिखाने लग गए हैं। यूडी टेक्स जनता पर खर्च किया जाना है। जनता के सेवक बनकर काम करने वाले उसे संग्रहित कर रहे हैं। पैसा भी सरकारी राजकोष में जा रहा है। तो फिर ऐसा क्या है निगम के अफसर इस सूचना पर कुंडली मार कर बैठ गए हैं कि होटल लेक पैलेस, होटल लीला,उदय विलास, जग मंदिर आदि की ओर से पिछले दो वित्तीय वर्षों में कितना यूडी टेक्स जमा करवाया है?? याने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगते ही लोक सूचना अधिकारी से लेकर आयुक्त साहब तक को करंट लग रहा है। नियमों की किताब खोल कर खुद अपनी ही हंसी उड़वाने पर तुले हुए हैं। ऐसे जवाब दे रहे हैं कि अब जनता ही उल्टे सवाल करने लग गई है कि क्या आप ही प्रशासन में अकेले समझदार बैठे हैं, जनता को मूर्ख समझते हैं क्या???? याने होटलों के बारे में मांगी गई सूचना पर इनको नियम याद आ रहे हैं। हद तो ये है कि यूडी टेक्स का बकाया जो निगम खुद जारी करता है, जमा करने पर पाबंद भी खुद करवाता है। वो आरटीआई में सूचना मांगने पर रसूखदारों के आगे लंबलोट हो रहा है। सूचना देने में उसके पसीने छूट रहे हैं। लोक सूचना अधिकारी को अचानक आरटीआई के अधिनियम की धारा 11 याद आ रही है और होटल वालों आदि को चिट्ठी लिख कर कहा जा रहा है कि आपकी अनुमति हो तो सूचना दे दें। होटल वाले लिख कर दे रहे हैं कि सूचना मत दो तो ये बदले में आरटीआई लगाने वालों से कह रहे हैं कि उन्होंने लिख कर दिया है इसलिए हम नहीं दे सकते। गजब की मजाक चल रही है नगर निगम में। अफसरों व लोक सूचना अधिकारी को लगता है कि सारी समझदारी का ठेका उन्होंने ही ले लिया है। और वे जैसा चाहेंगे नियमों को तोड़ मरोड़ कर चलताउ तरीके से जवाब दे देंगे ताकि सूचना की पहरेदारी और खासमाखासों के लिए कुंडली मार कर चौकीदारी कर लोयल्टी हासिल की जा सकी। ये क्यों हो रही है ये तो निगम के अफसर ही बता सकते हैं मगर यह गंभीर जांच का विषय है कि यूडी टेक्स के बारे में बताना आखिर कैसे निजी सूचना हो सकता है। जनता को जानने का अधिकार है कि जो बड़े नाम है वे कितना टेक्स दे रहा है, दे भी रहे हैं या नहीं दे रहे हैं??? कब दे रहे हैं, इनको भी नोटिस मिल रहे हैं क्या,,,?? या फिर इनके लिए कोई अलग ही सिस्टम बना हुआ है??? सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि निगम के अफसरों से लेकर लोक सूचना अधिकारी तक सूचना पर चौबीस घंटे की चौकीदारी का ठेका लिए हुए हैं। अब हमारी ओर से यह बताना भी जनहित में ही है कि अफसरों को जनता ने मोटी तनख्वाह लेकर इसलिए नहीं बिठा रखा है कि वे खुद मनमानी करने लग जाएं। वीआईपी संस्थानों को मैलोडी खिलाने को तत्पर दिखाई देने लगें। सूचना मांगने पर उटपटांग जवाब दे दें और बच निकलें बिना किसी लायबिलिटी के, यह अब चलने वाला नहीं है।

ये ही करते हैं बकायदारों की सरेआम मानहानि

एक तरफ तो निगम के लोक सूचना अधिकारी कहते हैं कि यूडी टेक्स की सूचना निजी और गोपनीय है मगर दूसरी ओर निगम की ओर से समय-समय पर यूडी टैक्स बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बकायदा सार्वजनिक रूप से नाम, बकाया राशि और संपत्तियों की तस्वीरें आदि जारी की जाती रही हैं। निगम की टीम सीजिंग कार्रवाई के दौरान भवनों पर नोटिस चस्पा कर संबंधित प्रतिष्ठानों को खुलेआम नेम एंड शेम करती है। ढोल बजाकर खुद आयुक्त साहब की ओर से खबरें प्रकाशित व प्रसारित की जाती है। खबरों में आयुक्त साहब चेतावनी देते हैं कि अभियान जारी रहेगा, बकायदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी??? क्या तब यूडी टेक्स के नाम निजी नहीं होते, क्या तब बकायदारों से परमिशन ली जाती है कि हम मीडिया में नाम दे दें क्या,,। हद की बात तो यहां तक है कि पिछली बार 80 हजार तक जिनके बकाया थे, उनके नाम भी उन्हीं लोगों ने मीडिया में सार्वजनिक करके उनके मानहानि की। याने साधारण बिना एप्रोच के लोगों के लिए नेम शेम की पॉलिसी और लेक पैलेस, लीला, उदय विलास, जग मंदिर का नाम आते ही अफसरों की घिग्घी बंध जाती है, नियमों की दुहाई देने लगते हैं। ये ड्यूअल पॉलिसी अब चलने वाली नहीं है, पूरी तरह से एक्सपोज हो चुकी है। हद तो ये है कि नोटिस सार्वजनिक चस्पा होते हैं। बकायदारों के नाम के साथ ही उनके पिता के नाम, एड्रेस तक होते हैं। जबकि यहां तो सूचना मांगने पर रसूखदारों ने कितना यूडी टेक्स दिया, यह तक बताने को निजी सूचना मान रहे हैं। ऐसे में जनता को लगने लगा है कि अफसर और कुछ खास कर्मचारी जनता के सेवक हैं या वीआईपी के सेवक हैं। अब संशह होने लगा है कि क्या वीवीआईपी की सूचना यूडीए के पास नहीं है, कहीं ताले में बंद कर रखी है,, क्या सूचना सूचना देने से अधिकारियों के सुर्खाब के पर कतर दिए जाएंगे। उन पर गाज गिर जाएगी। किसी सुपरबॉस ने कहा है या किसी नेता ने मुंह पर ताला लगवा रखा है, आखिर राज क्या है यह बड़ा सवाल है। यहीं से निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हर्षोल्लास के साथ मुस्लिम समाज ने मनाई ईद-उल-अजहा



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर में गुरुवार को मुस्लिम समाज ने ईद-उल-अजहा हर्षोल्लास के साथ मनाई तथा नगर के आसपुर मार्ग स्थित मसानिया तालाब के सामने ईदगाह मैदान में सामूहिक ईद की नमाज अदा की गई। नमाज में तकरीर हुसैनी मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल रहीम कादरी ने पेश की। सामूहिक ईद की नमाज जुम्मा मस्जिद के इमाम मौलाना सलमान खान ने अदा कराई और खुतबा सुनाकर देश में अमन-चैन कायम रहने की दुआएं मांगी गईं। अकसा मस्जिद के इमाम मौलाना रियाज शेख ने दुआओं से नवाजा तथा सभी उलमाओं एवं सुन्नी समाज सागवाड़ा ने मुबारकबाद पेश कर पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मौलाना सलमान ने सभी सर्व समाज और देशवासियों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि यह ईद आपसी भाईचारे का त्योहार है। आपस में एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल हों, इससे भाईचारा बढ़ेगा। इस भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें और अपने आसपास जरूरतमंद लोगों का विशेष ध्यान रखें। भूखे को भोजन कराएं तथा जरूरतमंदों की अधिक से अधिक सहायता करें, यही बात इस्लाम सिखाता है। इस अवसर पर भारी संख्या में पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे, जिन्होंने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस उपअधीक्षक रूपसिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी मनीष खोईवाल के नेतृत्व में मसानिया तालाब चौक, इन्द्रा कॉलोनी, पोल का कोठा, मोचीवाड़ा, माण्डवी चौक एवं बस स्टैंड चौराहा सहित नगर में जगह-जगह पुलिस जवान तैनात रहे और शांतिपूर्वक त्योहार मनाया गया।

उदयपुर में शुक्रवार को लंबा पावर कट, सुबह से शाम तक अंधेरे में रहेंगे कई इलाके

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में शुक्रवार 29 मई को बिजली निगम के मेंटेनेंस कार्य के चलते शहर के कई हिस्सों में साढ़े छह घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इस दौरान शहर के 30 से अधिक इलाके प्रभावित होंगे और लोगों को गर्मी के बीच परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अजमेर विद्युत वितरण निगम के सहायक अभियंता के अनुसार विद्युत लाइनों के रखरखाव और तकनीकी सुधार कार्य के कारण शुक्रवार सुबह 9:30 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

विभाग ने उपभोक्ताओं से जरूरी काम पहले ही निपटाने की अपील की है। पावर कट से प्रभावित क्षेत्रों में होटल हिलटॉप, ब्रह्मा निवास, कुराबड़ हाउस, रानी पैलेस, जोटा हाउस, रानी रोड, रुक्मिणी अपार्टमेंट, पीएचईडी फिल्टर हाउस और ओड बस्ती क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा आईजी बंगला, अंबामाता स्कीम, अंबामाता, होटल लीला, होटल रेडिशन, होटल ट्राइडेंट और उदयविलास क्षेत्र में भी निर्धारित समय तक बिजली बंद रहेगी। अंबावगढ़, अंबावगढ़ कच्ची बस्ती, यादव कॉलोनी, खम्मा घणी रेस्टोरेंट के आसपास का इलाका और होटल नेचुरल के पास का क्षेत्र भी पावर कट की जद में रहेगा। वहीं इमली घाट, चांदपोल, गड़िया देवरा, मुंबई बाजार, फतहसागर, सर्किट हाउस, स्वरूप सागर, मिशन कंपाउंड, देत्य मगरी, शिक्षा भवन, झरिया मार्ग, चमनपुरा, लोहा बाजार और गुरु गोविंद स्कूल क्षेत्र से जुड़े इलाकों में भी बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

भीषण गर्मी से आमजन व यात्रियों को राहत देने 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत प्याऊ प्रारंभ



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। भीषण गर्मी के बीच आमजन और यात्रियों को राहत देने के लिए जलदाय विभाग ने गुरुवार को नगर के रोडवेज बस स्टैंड एवं मसानिया तालाब बस स्टैंड पर 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत विभाग के अधिशाषी अभियंता नरेश पाटीदार के नेतृत्व में प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यहां राहगीरों को शीतल पेयजल पिलाकर मानव सेवा का संदेश दिया गया। गर्मी से परेशान यात्रियों ने भी इस पहल की सराहना की। अभियान के तहत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता नरेश पाटीदार, सहायक अभियंता जगदीश पाटीदार, कनिष्ठ अभियंता परेश पाटीदार, भूपेश पाटीदार सहित कर्मचारी लक्ष्मण भगरिया, धर्मेन्द्र मेहता, लाला मकवाना, मानशंकर, कमलेश, हीरा सहित विभाग के कर्मचारी, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।



समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

पुलिसकर्मी से मारपीट और राजकार्य में बाधा डालने का मामला, फतहनगर थाने में केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के फतहनगर थाना क्षेत्र में एक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट और राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने का मामला सामने आया है। घटना वासनी खुर्द गांव की बताई जा रही है, जहां कुछ लोगों ने मिलकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी के साथ कथित तौर पर अभद्रता और हमला किया। फतहनगर थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कांस्टेबल रणजीत सिंह (1535), निवासी लुणावतों का वास, थाना आळेगणा हाल कार्यरत पुलिस थाना फतहनगर ने मामला दर्ज करवाया है। परिवादी ने आरोप लगाया कि रमेश गुर्जर, शांतिलाल गुर्जर, खेमराज गुर्जर, चुन्नीलाल गुर्जर सहित 3-4 अन्य लोगों ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट की और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। घटना के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 121(1), 132, 115(2), 126(2) और 189(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच फतहनगर थाने के हैडकांस्टेबल कमलेन्द्र सिंह (573) को सौंपी गई है।

बेटे के विवाद में बीच-बचाव करने पहुंचे पिता पर चाकू से हमला, सवीना थाने में केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सवीना थाना क्षेत्र में बेटे के विवाद में बीच-बचाव करने पहुंचे एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना बड़ी मस्जिद के आगे की बताई जा रही है, जहां गाली-गलौज के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने जानलेवा हमला कर दिया। खांजीपीर नूरी चौक निवासी मोहम्मद रजा (40) ने सवीना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसका पुत्र और उसका दोस्त इलाके में मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी पक्ष ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब वह बीच-बचाव करने पहुंचे तो विवाद और बढ़ गया। परिवादी ने आरोप लगाया कि आरोपी रजा ने जान से मारने की नीयत से उस पर चाकू से वार कर दिया। हमला सीने पर किया गया था, लेकिन चाकू कंधे पर लगने से वह गंभीर हादसे से बच गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने घायल को संभाला। सवीना थाना पुलिस ने आरोपी रजा सहित अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1), 126(2), 115(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सवीना थाने के सहायक उप निरीक्षक (सउनि) श्री भीमराज कर रहे हैं।

शराब के नशे में युवक से मारपीट, हिरणमगरी थाने में मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में शराब के नशे में मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना नोखा 100 फीट रोड इलाके की बताई जा रही है, जहां एक युवक के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और मारपीट की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बड़ा नोखा निवासी 29 वर्षीय पंकज डांगी ने हिरणमगरी थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने आरोप लगाया कि उसके पिता नारायणलाल डांगी के साथ शराब के नशे में मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में कुछ देर तनाव की स्थिति भी बनी रही। मामले में सेक्टर-3 हिरणमगरी निवासी सोहन डांगी और निर्मल डांगी को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी के अनुसार मामले की पड़ताल की जा रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पार्किंग में खड़ी कार बनी आग का गोला, एलआईसी बिल्डिंग के पास मची अफरा-तफरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बुधवार को रेती स्टैंड स्थित एलआईसी बिल्डिंग के पास उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पार्किंग में खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई और ऊंची लपटों ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ और कुछ ही पलों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। तेज लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी गाड़ियां हटाने लगे और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एलआईसी परिसर में मौजूद फायर ट्रैक की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ देर के लिए आसपास खड़े लोग सहम गए। राहत की बात यह रही कि पास में खड़े अन्य वाहन आग की चपेट में नहीं आए, वरना पार्किंग में बड़ा हादसा हो सकता था। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। घटना के बाद कुछ समय तक क्षेत्र में लोगों की भीड़ लगी रही और यातायात भी प्रभावित हुआ।

उदयपुर के पलाना के पर्यटकों की ओवरलोड कैंपर पुष्कर में पलटी, 18 घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के पास पलाना कलां गांव से पुष्कर घूमने गए पर्यटकों का सफर गुरुवार सुबह दर्दनाक हादसे में बदल गया। पुष्कर में डेजर्ट सफारी के दौरान तेज रफ्तार और ओवरलोड कैंपर अचानक पलट गई, जिसमें उदयपुर क्षेत्र के 18 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। सभी घायल आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं और घूमने के लिए पुष्कर आए थे। आरोप है कि कैंपर चालक ने क्षमता से अधिक लोगों को एक ही वाहन में बैठा लिया। घायलों का कहना है कि उन्होंने दो गाड़ियों की मांग भी की थी, लेकिन चालक ने सभी को एक ही कैंपर में भर दिया। हादसे में घायल पंकज जैन ने कैंपर चालक पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कई बार मना करने के बावजूद चालक तेज गति से वाहन दौड़ाता रहा। इसी दौरान संतुलन बिगड़ा और कैंपर पलट गई।

समझौते के बाद हुआ अंतिम संस्कार, कुएं से आईफोन निकालने उतरे गोताखोर की मौत से मचा था बवाल



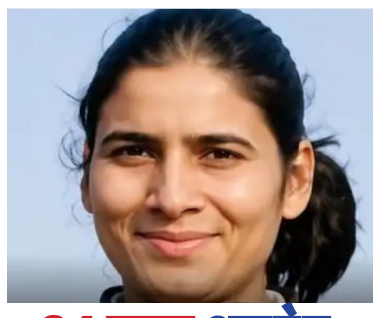


24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के गोगुंदा क्षेत्र में कुएं से आईफोन निकालने के दौरान हुई गोताखोर की मौत के मामले में आखिरकार दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि समझाइश और वार्ता के बाद मामला शांत हो गया, जिसके बाद गुरुवार शाम मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दरअसल, गोगुंदा थाना क्षेत्र के मारूवास गांव स्थित जोधावतों की भागल में बुधवार को आईफोन की तलाश एक परिवार के लिए दर्दनाक हादसे में बदल गई थी। यहां कुलदीप सिंह नामक युवक अपने रिश्तेदार के निधन के बाद आयोजित रस्म में शामिल होने आया था। सामूहिक स्नान के दौरान उसका आईफोन कुएं में गिर गया। महंगा मोबाइल निकालने के लिए गांव के लोगों ने मचीन्द निवासी 48 वर्षीय केशूलाल गमेती को बुलाया, जिन्हें इलाके का अनुभवी गोताखोर और तैराक माना जाता था। केशूलाल अपने बेटे रूपलाल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दो बार कुएं में उतरकर मोबाइल तलाशने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरोप है कि इसके बाद भी मोबाइल निकालने के लिए तीसरी बार कुएं में उतरने का दबाव बनाया गया। तीसरे प्रयास में केशूलाल गहराई में चले गए और फिर बाहर नहीं आ सके। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची गोगुंदा पुलिस और ग्रामीणों ने करीब डेढ़ घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद बुधवार शाम उनका शव कुएं से बाहर निकाला गया और मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के बेटे रूपलाल ने आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने पिता को तीसरी बार कुएं में उतरने से रोका था, लेकिन मोबाइल निकालने के लिए लगातार दबाव बनाया गया। उनका कहना था कि यदि पिता तीसरी बार कुएं में नहीं उतरते तो उनकी जान बच सकती थी। घटना के बाद गुरुवार सुबह परिजन और समाज के लोग आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने मुआवजे और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया था। हालात को देखते हुए पुलिस और प्रशासन मौके पर डटे रहे तथा दोनों पक्षों के बीच लगातार बातचीत होती रही। थानाधिकारी श्याम सिंह चारण की पहल पर बाद में आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया गया। समझौते के बाद परिजनों ने शव लिया और शाम अंतिम संस्कार के लिए परिजन रवाना हुए।

सरकारी क्वार्टर में मिली महिला कॉन्स्टेबल की लाश, बंद कमरे का दरवाजा तोड़ते ही सन्न रह गए साथी



24 न्यूज अपडेट

प्रतापगढ़। छोटी सादड़ी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह दर्दनाक घटना ने पूरे पुलिस महकमे को झकझोर दिया। ईद ड्यूटी पर बुलाने पहुंचे साथी पुलिसकर्मियों को क्या पता था कि जिस दरवाजे को वे लगातार खटखटा रहे हैं, उसके भीतर जिंदगी खामोश हो चुकी है। सरकारी क्वार्टर का गेट टूटा तो कमरे के अंदर महिला कॉन्स्टेबल का शव पंखे से फंदे पर लटका मिला। मृतका की पहचान शोम कंवर (26) पुत्री कुशल सिंह निवासी वरमंडल के रूप में हुई है, जो छोटी सादड़ी थाने में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात थीं। गुरुवार सुबह उनकी ईद ड्यूटी लगी हुई थी। साथी कॉन्स्टेबल लगातार उन्हें कॉल कर रहे थे, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। स्टाफ के कुछ जवान सुबह करीब सात बजे सरकारी क्वार्टर पहुंचे। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

स्थिति संदिग्ध लगने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का दृश्य देख पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। शोम कंवर का शव पंखे से लटका हुआ मिला। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया और पूरे कमरे की बारीकी से जांच शुरू की गई। एसपी बी. आदित्य ने बताया कि किसी प्रकार का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। परिवार के अनुसार बुधवार रात करीब नौ बजे शोम की अपने पिता से बातचीत हुई थी। उस वक्त सब सामान्य था। पिता उदयपुर गए हुए थे और लौटते समय फोन पर बात हुई थी। किसी को अंदाजा तक नहीं था कि रात और सुबह के बीच ऐसा भयावह मोड़ आ जाएगा। 2022 बैच की कॉन्स्टेबल शोम कंवर ने पुलिस सेवा की शुरुआत जलोदा जागीर से की थी। करीब छह महीने वहां ड्यूटी करने के बाद एक साल पहले उनकी पोस्टिंग छोटी सादड़ी थाने में हुई थी। तीन साल की सेवा में वे अपने शांत स्वभाव और जिम्मेदार कार्यशैली के लिए जानी जाती थीं। चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर की शोम की मौत ने परिवार ही नहीं, पूरे पुलिस विभाग को गहरे सदमे में डाल दिया है।

स्कूल की चौखट पर 'दारू का दरबार', वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर दबंगई चार युवक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। वरदा थाना क्षेत्र में सरकारी स्कूल को शराब पार्टी का अड्डा बनाकर उत्पात मचाने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला तब तूल पकड़ गया जब स्कूल परिसर में शराब पीने और हुड़दंग करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। लगातार शिकायतों के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोच लिया। वरदा थाना अधिकारी मोहम्मद रिजवान खान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हिराता गांव के सीनियर स्कूल परिसर में दबिश दी। आंतरी चौकी प्रभारी संतोष कुमार के अनुसार आरोपी देर शाम स्कूल परिसर में बैठकर शराब पार्टी करते थे, फिर उसी के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे। गांव वालों का कहना था कि इन हरकतों से स्कूल का माहौल खराब हो रहा था और आसपास भय व अशांति फैल रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान तिलक रोत, सुनील रोत, निलेश रोत और दिनेश रोत के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ शांति भंग और असामाजिक गतिविधियों से जुड़े प्रावधानों के तहत कार्रवाई की है। विडंबना यह है कि जिस स्कूल परिसर में बच्चों को अनुशासन और भविष्य का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए, वहीं कुछ लोग उसे सोशल मीडिया की सस्ती लोकप्रियता और शराबी स्टंट का मंच बना रहे थे। गांव के लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो यह सरकारी स्कूल धीरे-धीरे पढ़ाई से ज्यादा 'रिल्स संस्कृति' का अड्डा बन जाता। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों पर असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

फैक्ट्री में मौत का धमाका: बॉयलर फटा, दो मजदूरों की जिंदगी राख हुई, मुआवजे की मांग पर अड़े परिजन





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रीको इंडस्ट्रियल एरिया में बुधवार को एक फैक्ट्री के भीतर हुआ धमाका दो परिवारों की दुनिया उजाड़ गया। काम के दौरान बॉयलर में हुए भीषण ब्लास्ट ने ऐसा कहर बरपाया कि दो मजदूरों की जान चली गई। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई, जबकि देर रात से लेकर गुरुवार तक एमबी अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर गुस्सा, आक्रोश और इंसाफ की मांग का माहौल बना रहा। हादसे में गोगुंदा क्षेत्र के बडूंदिया गांव निवासी भंवर सिंह झाला और माधुलाल गमेती की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक बॉयलर फट गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास मौजूद मजदूरों में भगदड़ मच गई। हादसे में माधुलाल गमेती ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल भंवर सिंह झाला ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में अंतिम सांस ली। घटना के बाद मृतकों के परिजनों और समाज के लोगों में भारी नाराजगी फैल गई। परिजनों का आरोप है कि हादसे के तुरंत बाद फैक्ट्री संचालक मौके से गायब हो गया और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता रहा। इसके बाद प्रतापनगर थाना पुलिस दोनों घायलों को अस्पताल लेकर पहुंची। गुरुवार को एमबी अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर करणी सेना सहित विभिन्न समाजों के लोगों ने प्रदर्शन किया। नारेबाजी के बीच प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा और न्याय नहीं मिलेगा, तब तक पोस्टमॉर्टम नहीं कराया जाएगा और शव नहीं उठाए जाएंगे। करणी सेना के अर्जुन सिंह चुंडावत ने कहा कि फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों की गंभीर लापरवाही सामने आई है। मजदूरों की जान जाने के बाद अब सिर्फ औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि जिम्मेदार लोगों पर कठोर कदम उठाने की जरूरत है। दोपहर बाद अस्पताल परिसर में प्रदर्शनकारियों की डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ और प्रतापनगर थानाधिकारी पूरण सिंह राजपुरोहित के साथ वार्ता हुई। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

फंदे पर लटका युवक, कानों में इयरफोन!!

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। पीपलवा इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री परिसर में 21 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव कमरे में टिनशेड के नीचे लगे लोहे के एंगल से लटका मिला। घटना के समय उसके कानों में इयरफोन लगे हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया और जांच शुरू कर दी है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान करण पुत्र नेमीचंद जाटव निवासी इरादत नगर, आगरा (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। वह पीपलवा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फैक्ट्री में मजदूरी करता था और अपने सात साथियों के साथ वहीं रह रहा था। एसआई नरेंद्र कुमार के अनुसार साथियों ने बताया कि बुधवार रात करीब 12 बजे तक करण उनके साथ जाग रहा था। इस दौरान वह मोबाइल पर किसी से बातचीत भी कर रहा था। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।

गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे साथी मजदूर उसे बुलाने पहुंचे, लेकिन काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर खिड़की से देखा तो करण का शव फंदे से लटका हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई।

पुलिस ने बताया कि युवक ने गमछे का फंदा बनाकर आत्महत्या की। कमरे से मोबाइल और अन्य सामान भी बरामद किया गया है। घटना के समय युवक के कानों में इयरफोन लगे हुए थे। पुलिस मोबाइल की जांच और कॉल डिटेल खंगाल रही है, ताकि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके। जानकारी के अनुसार करण 10 मई को ही आगरा से वापस बांसवाड़ा लौटा था और दोबारा फैक्ट्री में काम शुरू किया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सुकन्या समृद्धि योजना में लाभ का झांसा देकर महिला से धोखाधड़ी, डबोक थाने में मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के डबोक थाना क्षेत्र में सुकन्या समृद्धि योजना के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि सरकारी योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर एक महिला से ठगी की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डबोक थाना क्षेत्र के गुपड़ी निवासी 35 वर्षीय भरत कुमार कलाल पुत्र स्वर्गीय रोशनलाल चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वर्ष 2017 से उनकी पुत्री के नाम पर भारतीय डाकघर गुपड़ी में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाता खुलवाया गया था। आरोप है कि योजना में अधिक लाभ दिलाने का लालच देकर प्रार्थी के साथ धोखाधड़ी की गई। रिपोर्ट में शंभूसिंह पर योजना के नाम पर गलत तरीके से भरोसा दिलाकर आर्थिक छल करने का आरोप लगाया गया है। मामला सामने आने के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। डबोक थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक (सउनि) लालचंद कर रहे हैं।

लानत है सिस्टम पर, एक तरफ जल पूजन और खोखले भाषण दूसरी तरफ जल-कुंडों में बुझती ज़िंदगियां!!! मज़ाक चल रहा है

बच्चों को तैराकी सिखाने आए पिता की गंगु कुंड में डूबने से मौत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में एक बार फिर पानी ने जान ले ली और प्रशासन ने हमेशा की तरह सिर्फ हादसे के बाद पहुंचकर औपचारिकताएं निभाईं। भाई, ये क्या चल रहा है, खुला मजाक चल रहा है। गर्मी में झीलों की नगरी वाले शहर में लोग पानी में डूब रहे हैं और नेता—अफसर जल स्त्रोतों के पास बैठ कर पूजन की नौटंकी कर रहे हैं। दूसरी तरफ दूध तलाई, फतह सागर, गंगू कुण्ड सहित अन्य जलाशयों पर सैंकड़ों की संख्या में लोग बच्चों को लेकर तैरने आ रहे हैं। मजे की बात ये है कि प्रशासनिक अधिकारी खुद फतहसागर पर वॉक करते नजर आ रहे हैं और उसी फतहसागर पर जान जोखिम में डाल कर लोग स्विमिंग कर रहे हैं। लेकसिटी के जलाशयों की क्या सुरक्षा है, केवल बोर्ड लगाने की नौटंकी से काम नहीं चलने वाला है, ठोस कदम तत्काल उठाने होंगे वरना जल पूजन के तमाशे और जान जाने के दिल दहला देने वाले हादसे साथ साथ होते रहेंगे।

शहर के भूपालपुरा थाना क्षेत्र स्थित महासतिया के गंगु कुंड में गुरुवार सुबह अपने बच्चों को तैराकी सिखाने आए 41 वर्षीय दुर्गाशंकर सालवी की डूबने से मौत हो गई। दर्दनाक बात यह रही कि युवक करीब 10 मिनट तक पानी में छटपटाता रहा, वहां 20 से 30 लोग मौजूद थे, लेकिन कोई उसे बचाने पानी में नहीं उतरा। दुर्गाशंकर सालवी ठोकर चौराहा क्षेत्र के निवासी थे। वह अपने दो बच्चों—10 और 14 साल के बेटों—को तैराकी सिखाने गंगु कुंड लेकर पहुंचे थे। यह सच किसी से छिपा नहीं है कि स्विमिंग पूलों की फीस महंगी होने से शहर के दर्जनों परिवार हर साल गंगू कुंड पर बच्चों को तैराकी सिखाने आते हैं। बच्चे पानी में तैर रहे थे और दुर्गाशंकर सीढ़ियों पर बैठे थे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसला और वे गहरे पानी में चले गए। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार एक व्यक्ति ने उनका हाथ पकड़ने की कोशिश भी की, लेकिन पकड़ नहीं पाया। दुर्गाशंकर पानी में संघर्ष करते रहे, हाथ-पांव मारते रहे, लेकिन वहां मौजूद लोग सिर्फ तमाशबीन बने रहे। सूचना पर पहुंची सिविल डिफेंस टीम ने उन्हें बाहर निकालकर सीपीआर दिया, मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। गंगु कुंड में तैराकी की कोई अधिकृत अनुमति नहीं है, बावजूद इसके रोजाना 30 से 40 लोग स्विमिंग करने पहुंचते हैं। जब प्रशासन को पता है कि यहां रोज लोग आते हैं, हर साल हादसे होते हैं, तो फिर सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए जाते? इनका ध्यान जल पूजने में, लोगों को बचाने में नहीं विडंबना देखिए शहर में जल स्त्रोतों की पूजा के बड़े-बड़े आयोजन हो रहे है। नेता मंचों से जल संरक्षण के भाषण दे रहे हैं। नारियल फोड़ते हैं, दीपदान करते हैं मंत्र तक पढ़ रहे हैं। लेकिन उन्हीं जल स्त्रोतों पर हर साल किसी न किसी घर का चिराग बुझ जाता है। तो फिर सवाल ये है कि जीवन का मंत्र कौन पढ़ेगा। लाखों रुपए आयोजनों और प्रचार पर खर्च हो सकते हैं, तो क्या कुछ प्रशिक्षित लाइफगार्ड, चेतावनी बोर्ड, सुरक्षा रस्सियां और प्राथमिक बचाव उपकरण नहीं लगाए जा सकते? गंगु कुंड में पहला हादसा नहीं है। हर साल यहां कोई ना कोई डूबता है, लेकिन हर मौत के बाद सिर्फ अफसोस जताया जाता है, स्थायी समाधान नहीं खोजा जाता। प्रशासन की उदासीनता अब सवालों के घेरे में है। आखिर कब तक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को तैरना सिखाने की कीमत जान देकर चुकाते रहेंगे? जहां जल स्त्रोतों की पूजा तो होती है, लेकिन वहां इंसानी जिंदगी की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ दी जाती है वहां की राजनीति और प्रशासन पर लानत है।

एक और खास बात ये है कि गंगू कुण्ड को गंगाजी का चौथा पाया कहा जाता है। यहां पर कोई दिन ऐसा नहीं जाता कि कोई धार्मिक आयोजन नही हो। ऐसे महत्वपूर्ण प्लेस पर भी अगर सुरक्षा नहीं है तो क्या सुरक्षा केवल नेताओं के लिए लालबत्ती लेकर घूमने के लिए है। कहां हैं सामाजिक संगठन, धार्मिक संगठनों से राजनीति करने वाले नेता??? गंगू कुण्ड की सुरक्षा का एक छोटा सा काम उनसे नहीं हो रहा है उन पर भी लानत है। हम खुद सोचें कि क्या हम सब तमाशबीन भीड़ में बदल तो नहीं गए हैं जिनके पास संवदेनाओं के नाम पर अपने पुरखों का दिया कुछ भी नहीं बचा है, सब कुछ केवल शो ओफ करने में रह गया है। अगर ऐसा नहीं है उम्मीद है कि इस हादसे के सबक सख्त होंगे,,,बहुत ज्यादा सख्त,,,नहीं तो हो सकता है अगला नंबर हम और आप में से ही किसी का हो।

प्राकृत की स्वरधारा से गूंजा सुखाड़िया विश्वविद्यालय, 'ज्ञानयज्ञ' बनकर उभरा शिक्षण शिविर-2026



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग में रविवार को ऐसा वातावरण बना, जहां सिर्फ एक शिक्षण शिविर का समापन नहीं हुआ, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सांस्कृतिक संकल्प भी और मजबूत हुआ। 'प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर-2026' का समापन गरिमामय, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी माहौल में हुआ, जिसमें प्राकृत भाषा, जैन साहित्य और भारतीय चिंतन की विरासत को जीवंत बनाए रखने का संदेश केंद्र में रहा।

प्राकृताचार्य श्री सुनील सागर जी की प्रेरणा और मंगल आशीर्वाद से आयोजित आठ दिवसीय इस शिविर ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक पीढ़ी से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। शिविर में शामिल प्रतिभागियों ने प्राकृत ग्रंथों की मूल भाषा का अध्ययन कर भारतीय दर्शन, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों की गहराई को समझने का प्रयास किया। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सभ्यता और संस्कारों की वाहक भी होती है।

समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. कैलाश डागा का संरक्षण प्राप्त हुआ, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कला महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. नीरज शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा की अनमोल धरोहर संस्कृत और प्राकृत साहित्य में सुरक्षित है। यदि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखना है, तो इन भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को प्राथमिकता देनी होगी।

मुख्य अतिथि भामाशाह शांतिलाल वेलायत ने कहा कि ऐसे शिविर समाज में संस्कार, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि सुरेशचंद्र पद्मावत ने प्राकृत भाषा के संरक्षण को भारतीय संस्कृति के संरक्षण के समान बताया। प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि प्राकृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति है, जो समाज में सांस्कृतिक नवजागरण का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. ज्योतिबाबु जैन ने शिविर की भूमिका रखते हुए इसे "ज्ञान, साधना और संस्कृति का संगम" बताया। प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के महामंत्री डॉ. आशीष आचार्य ने कहा कि संस्था का उद्देश्य प्राकृत भाषा और जैन साहित्य को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाना है तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर जारी रहेंगे। जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. सुमत कुमार जैन ने आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों, समाजसेवियों, मंदिर समितियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही यह ज्ञानयज्ञ सफल हो पाया। समारोह का संचालन डॉ. शैलेष जैन ने किया। आयोजन समिति के सदस्य रीतेश जैन, धर्नेंद्र जैन और सुशांत जैन ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज, विभिन्न मंदिर समितियों और विद्वानों के सहयोग ने इस आयोजन को विशेष ऊंचाई प्रदान की।

समापन अवसर पर शिविरार्थियों को प्रमाण-पत्र तथा विद्वानों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। पूरे समारोह में एक बात स्पष्ट दिखाई दी—प्राकृत भाषा आज भी केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवित धड़कन है, जिसे संरक्षित रखने का संकल्प समाज ने फिर दोहराया।

रीट मैंस 2026 का रिजल्ट जारीः लेवल-1 संस्कृत और लेवल-2 साइंस-मैथ्स के अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे हजारों अभ्यर्थियों के लिए बुधवार देर रात बड़ी खबर सामने आई। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने रीट मैंस परीक्षा 2026 के तहत लेवल-1 संस्कृत और लेवल-2 के साइंस-मैथ्स व संस्कृत विषय का परिणाम जारी कर दिया है। बाकी विषयों के नतीजे भी जल्द जारी किए जाएंगे। बोर्ड ने परिणाम अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पीडीएफ फॉर्मेट में जारी किया है, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों के रोल नंबर शामिल किए गए हैं। अभ्यर्थी अब ऑनलाइन अपना रिजल्ट देख सकते हैं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि फिलहाल कुछ विषयों का परिणाम जारी किया गया है, जबकि शेष विषयों के परिणाम भी प्रक्रिया पूरी होते ही घोषित किए जाएंगे। दरअसल, रीट मैंस 2026 परीक्षा का आयोजन 17 जनवरी से 20 जनवरी 2026 के बीच किया गया था। परीक्षा दो पारियों में हुई थी। पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद 27 फरवरी को बोर्ड ने प्रोविजनल आंसर-की जारी की थी और अभ्यर्थियों से निर्धारित शुल्क के साथ आपत्तियां मांगी गई थीं। आपत्तियों के निस्तारण के बाद अब परिणाम जारी किए गए हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के जरिए प्रदेश में कुल 7759 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें लेवल-1 के 5636 पद और लेवल-2 के 2123 पद शामिल हैं। रिजल्ट देखने के लिए अभ्यर्थियों को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट RSSB Rajasthan पर जाकर "Candidate Corner" सेक्शन में "Results" विकल्प पर क्लिक करना होगा। इसके बाद "REET Mains Result 2026" लिंक के जरिए पीडीएफ डाउनलोड कर रोल नंबर से परिणाम देखा जा सकता है।

21 जून को महारुद्र, 22 जून को बहुमंजिला भवन का भूमि पूजनः श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज की बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज की ओर से आगामी 21 और 22 जून को होने वाले धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। श्री त्रिमेस के तत्वावधान में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में समाज के बहुप्रतीक्षित "श्री त्रिमेस बहुउद्देश्यीय एवं बहुमंजिला भवन" के भूमि पूजन कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में 21 जून को महारुद्र आयोजन तथा 22 जून को प्रस्तावित बहुउद्देश्यीय बहुमंजिला भवन के भव्य भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समाजजनों ने दोनों आयोजनों में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय श्री त्रिमेस के राष्ट्रीय संयोजक भूपेंद्र पंड्या मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता उदयपुर शहर अध्यक्ष पवन अमरावत ने की। विशिष्ट अतिथियों में लक्ष्मीनारायण पंड्या, अनिल पंड्या, विनोद पानेरी, रविंद्र उपाध्याय, गोमती शंकर पंड्या और महेश जोशी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। समाज के वरिष्ठजनों और पंच महानुभावों ने अतिथियों का ऊपरना ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान समाज सेवा में सक्रिय पुरुष एवं महिला पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया। उदयपुर शहर अध्यक्ष पवन अमरावत और लक्ष्मीनारायण पंड्या ने समाज के प्रत्येक परिवार से भूमि पूजन कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित भवन भविष्य में सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। राष्ट्रीय संयोजक भूपेंद्र पंड्या ने अपने संबोधन में समाजजनों से दोनों कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन समाज की एकता और संगठन की नई पहचान बनेगा। बैठक में आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर अलग-अलग समितियों का गठन किया गया। भोजन, टेंट, पार्किंग, धर्मशाला, होटल, मंच सज्जा, पेयजल, यातायात और प्रशासनिक अनुमति सहित विभिन्न जिम्मेदारियां पदाधिकारियों को सौंपी गईं। महिला मंडल की ओर से लक्ष्मी बाई त्रिवेदी, पुष्पा त्रिवेदी, रीता त्रिवेदी, माया त्रिवेदी, सीमा पांडे और हर्षलता पंड्या ने भी सहभागिता निभाई। बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज के प्रत्येक परिवार तक व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पहुंचाया जाएगा और पीले चावल देकर सपरिवार आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन रीता त्रिवेदी ने किया, जबकि अंत में हेमंत पांडे ने आभार व्यक्त किया

राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ की कार्यकारिणी का विस्तार, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रकाश चंद्र धोबी का सम्मान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ जिला शाखा उदयपुर की ओर से आयुर्वेद चिकित्सकों का स्नेह मिलन समारोह, कार्यकारिणी विस्तार एवं वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश चंद्र धोबी के सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग द्वारा जारी जॉब चार्ट के समर्थन में ज्ञापन भी सौंपा गया। संघ के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष डॉ. विष्णु बंसीवाल ने बताया कि 10 मई को सम्पन्न हुए चुनाव में निर्विरोध निर्वाचन के बाद आज उदयपुर जिले के समस्त आयुर्वेद चिकित्सकों का स्नेह मिलन एवं कार्यकारिणी विस्तार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उदयपुर संभाग के विभिन्न जिलों से राजसमंद अध्यक्ष डॉ. समंदर शर्मा, डूंगरपुर अध्यक्ष डॉ. जयंत यादव, बांसवाड़ा अध्यक्ष डॉ. हेमंत स्वर्णकार, चित्तौड़ अध्यक्ष डॉ. मुकेश शर्मा, सलूम्बर नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र जोशी तथा आयुर्वेद विभाग उदयपुर के सहायक निदेशक डॉ. भानुकुमार जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निदेशक उदयपुर संभाग डॉ. महेश गुप्ता ने की। मुख्य संरक्षक डॉ. शोभालाल औदिच्य एवं डॉ. धर्म सिंह बैरवा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने तथा आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी चिकित्सकों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रकाश चंद्र धोबी के सेवानिवृत्ति पर सम्मान एवं अभिनंदन पत्र प्रदान कर उनके सेवाकाल की सराहना की गई। संघ की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मुख्य संरक्षक के रूप में डॉ. जगदीश नकेला, डॉ. शोभालाल औदिच्य एवं डॉ. धर्म सिंह बैरवा को मनोनीत किया गया। परामर्श मंडल में डॉ. प्रकाश चंद्र धोबी, डॉ. रामभरोसे शर्मा, डॉ. अशोक सोनी, डॉ. सुभाष कुमार अग्रवाल एवं डॉ. अजय सोनी को शामिल किया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर डॉ. रचना मित्तल एवं डॉ. महेंद्र आर्य, वित्त सचिव के रूप में डॉ. केशव गुप्ता, संयुक्त सचिव पद पर डॉ. हुक्मीचंद जैन, डॉ. महेश शर्मा एवं डॉ. राजेश जाटव को जिम्मेदारी दी गई। विभिन्न प्रकोष्ठों एवं पदों पर अन्य चिकित्सकों को भी मनोनीत किया गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ जिला शाखा उदयपुर के नवीन लेटरहेड का विमोचन भी किया गया। अंत में विभाग द्वारा जारी जॉब चार्ट के समर्थन में अतिरिक्त निदेशक डॉ. महेश गुप्ता एवं सहायक निदेशक डॉ. भानुकुमार जैन को ज्ञापन सौंपा गया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।